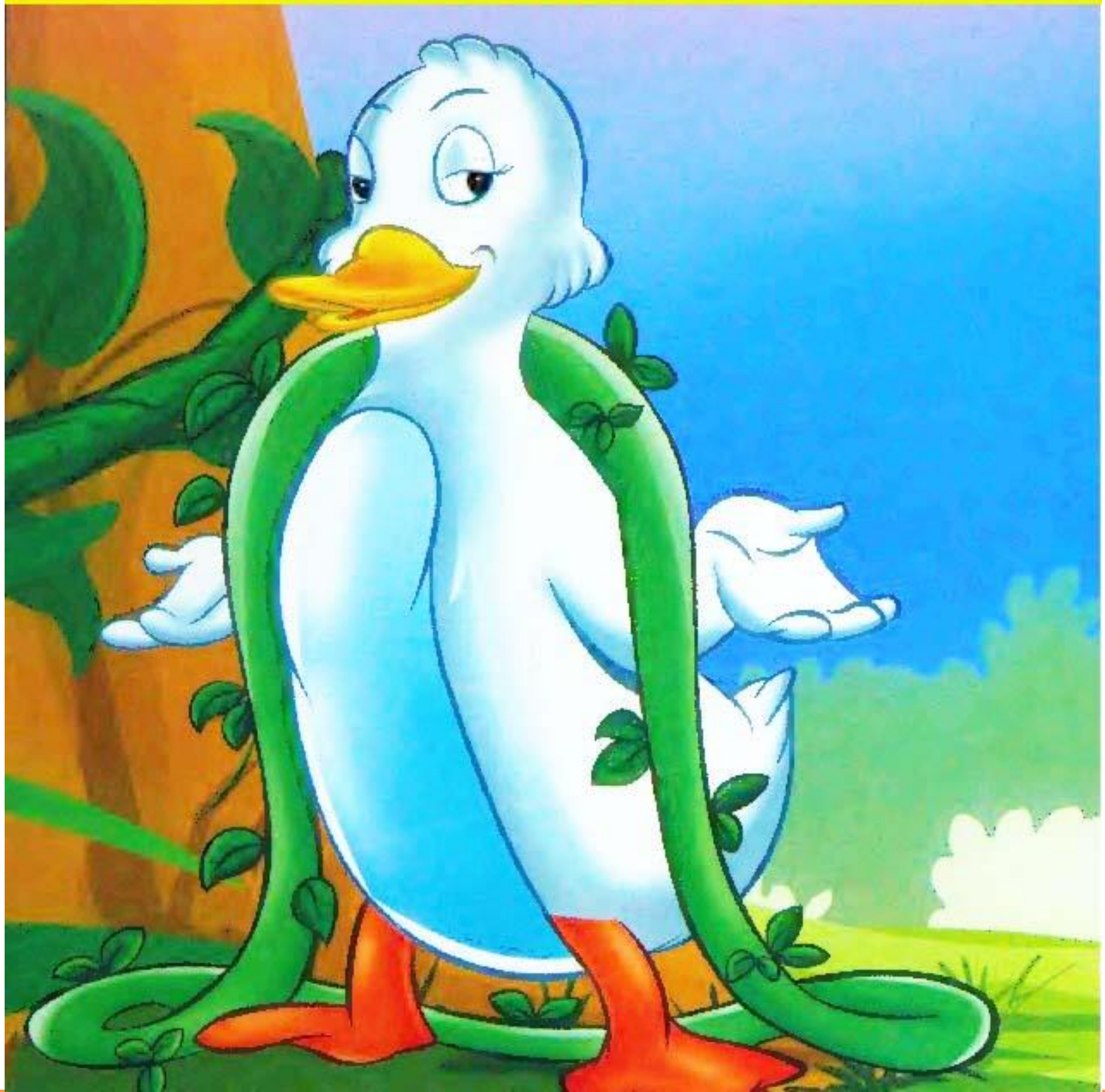
WISE OLD BIRD

PANCHTANTRA TALE

बुद्धिमान बूढ़ा पक्षी

पंचतंत्र की कहानी

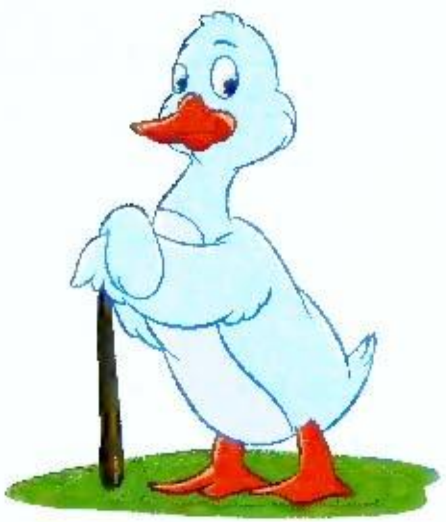


The Wise Old Bird

Tales from Panchatantra

बुद्धिमान बूढ़ा पक्षी

पंचतंत्र की कहानी



Once upon a time, there lived a flock of geese in a huge tamarind tree in the jungle.

The geese had made the tree their home because of its constant supply of tamarind.

एक समय की बात है, जंगल में एक विशाल इमली के पेड़ पर हंसों का झुंड रहता था.

खाने के लिए लगातार इमली मिलने के कारण हंसों ने पेड़ को अपना घर बना लिया था.



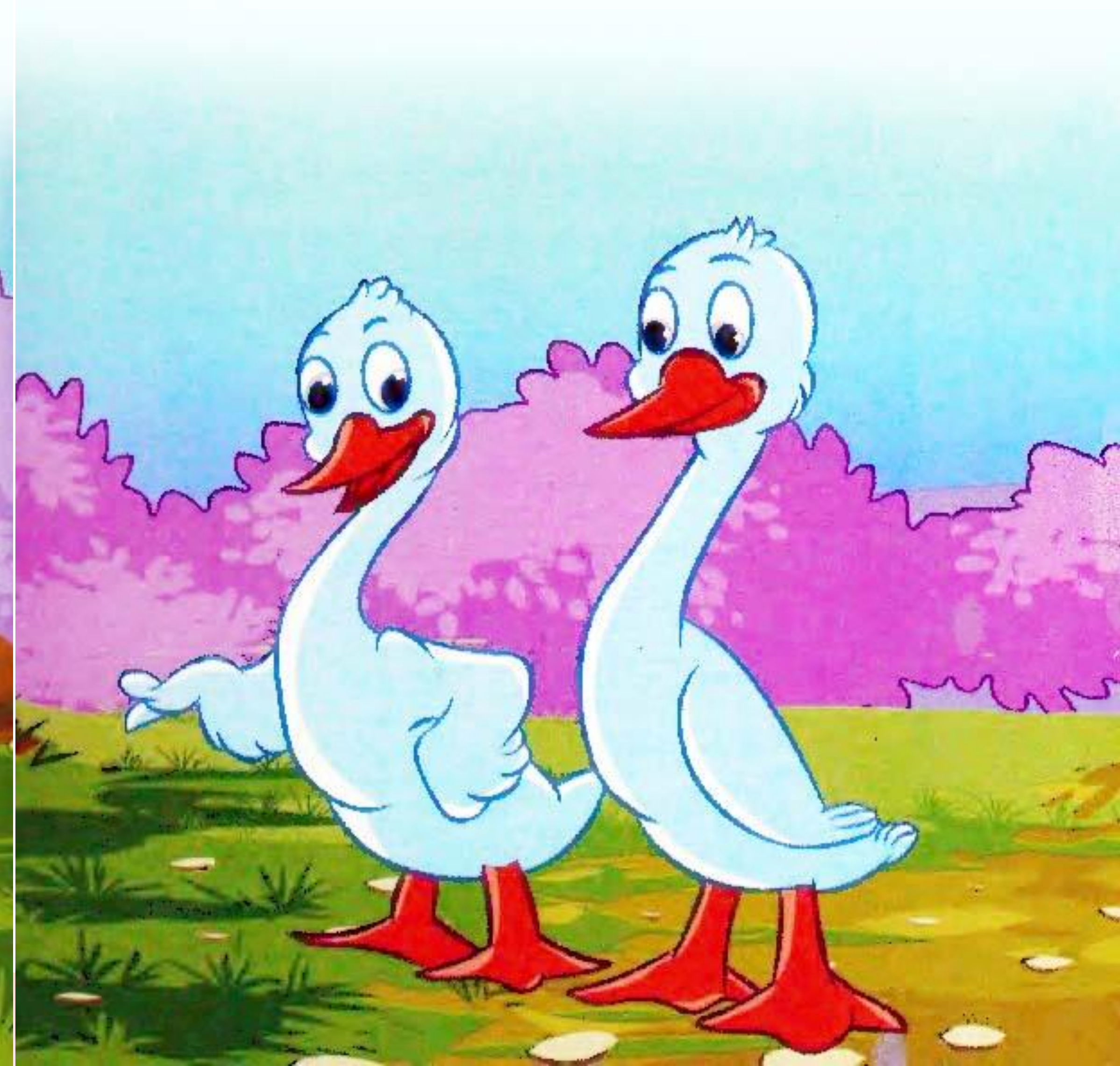
One day a wise old goose noticed a tiny little creeper growing at the foot of the tamarind tree.

"Let us get rid of that creeper," he told the other geese. "Someday it may be too big for us to destroy and we will regret it."



एक दिन एक बुद्धिमान बूढ़े हंस ने इमली के पेड़ के नीचे एक छोटी सी बेल को उगते हुए देखा.

"चलो, हम उस बेल से छुटकारा पा लें," उसने दूसरे हंसों से कहा. "किसी दिन यह बेल हमारे लिए बहुत कष्टदायक साबित हो सकती है और तब हमें उसका पछतावा होगा."





The other geese paid no attention to the wise old goose.

They went about their usual business without a worry or care. The creeper grew little by little.

लेकिन अन्य हंसों ने बुद्धिमान बूढ़े हंस की बात पर कोई ध्यान नहीं दिया.

वे बिना किसी चिंता या परवाह के अपना सामान्य काम करते रहे. बेल धीरे-धीरे बढ़ती गई.





One day the creeper had grown large enough and strong enough for a man to climb.

The old goose warned them once again. "We must get rid of the creeper. If we do not, we will be sorry."

एक दिन बेल इतनी बड़ी और मजबूत हो गई कि कोई आदमी उस पर चढ़ सकता था.

बूढ़े हंस ने उन्हें एक बार दुबारा चेतावनी दी. "हमें उस बेल से छुटकारा पाना चाहिए. यदि हम ऐसा नहीं किया, तो हमें पछताना पड़ेगा."



The other geese still did not listen to him. One day when they were out flying, a hunter came to the forest.

He saw the tamarind tree and decided that it would be a good place to put his net.

He went away, deciding to come back the next day.

दूसरे हंसों ने फिर भी उसकी बात नहीं सुनी. एक दिन जब हंस बाहर चुग्गा लाने गए थे तो जंगल में एक शिकारी आया.

उसने इमली का पेड़ देखा और फैसला किया कि वो जाल लगाने के लिए एक अच्छी जगह होगी.

शिकारी ने अगले दिन फिर से आने का मन बनाया.

And so the hunter came the very next day and climbed up the tree with the help of the creeper.

He set up his net on the tree and went away.

फिर अगले दिन शिकारी आया और वो बेल की सहायता से पेड़ पर चढ़ गया.

उसने पेड़ पर अपना जाल बिछाया और वहां से चला गया.



When the birds came back to the tree, they flew right into it without noticing the net.

Soon they were trapped under it.

जब पक्षी पेड़ पर वापस लौटे, तो वे जाल पर ध्यान दिए बिना ही उसमें उड़ गए

जल्द ही सब हंस जाल में फंस गये.



The birds began to squawk loudly. They flapped their wings about in panic.

Only the wise old goose sat very still and quiet.



पक्षी जोर-जोर से चहचहाने लगे. उन्होंने घबराहट में अपने पंख इधर-उधर फड़फड़ाये.

केवल बुद्धिमान बूढ़ा हंस ही बहुत शांति से बैठा रहा.



"How can you be so calm?" asked one of the other geese.

"I tried to tell you that a day would come when we would regret not destroying the creeper, but no one listened," said the wise old bird.



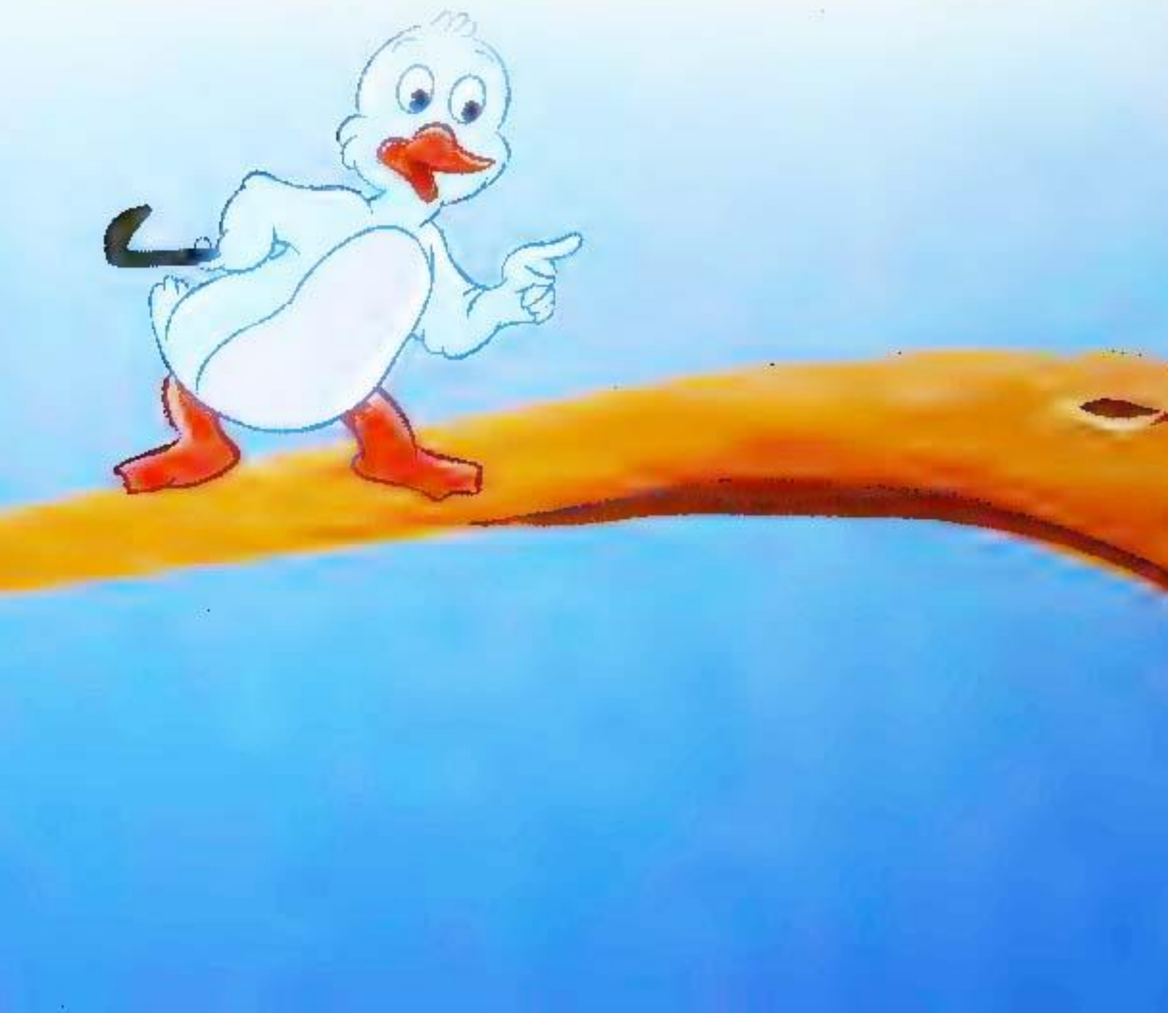
"मुसीबत में आप इतने शांत कैसे रह सकते हैं?" एक दूसरे हंस ने पूछा.

बुद्धिमान बूढ़े पक्षी ने कहा, "मैंने तुम्हें यह बताने की कोशिश की थी कि एक दिन आएगा जब हमें बेल को नष्ट न करने का पछतावा होगा, लेकिन तब किसी ने मेरी बात नहीं सुनी."



The others pleaded with him to help them escape.

So he said, "When the hunter comes, lie down perfectly still. He will throw you down one by one, thinking that you are dead. After all of us have been thrown down and before the hunter climbs down, we shall take flight together."



फिर अन्य हंसों ने बूढ़े हंस से भागने में मदद करने की विनती की.

तब उसने कहा, "जब शिकारी आए तो बिल्कुल शांत होकर लेट जाना. वो तुम्हें मरा हुआ समझकर एक-एक करके तुम्हें नीचे फेंकेगा. हम सभी को नीचे फेंकने के बाद और शिकारी के नीचे चढ़ने से पहले, हम एक साथ उड़ान भरेंगे."



When the hunter came, the birds lay perfectly still, pretending to be dead.

He climbed the tree and threw them down one by one.

As soon as the last bird had been flung to the ground, all of them took flight together.

जब शिकारी आया, तो सभी पक्षी मरने का नाटक करते हुए बिल्कुल शांत पड़े रहे.

शिकारी पेड़ पर चढ़ गया और फिर उसने एक-एक करके हंसों को नीचे फेंका.

जैसे ही आखिरी पक्षी जमीन पर गिरा वैसे ही सभी पक्षियों ने एक साथ उड़ान भरी.



The hunter stood there, shocked at how he had been outwitted by the geese.

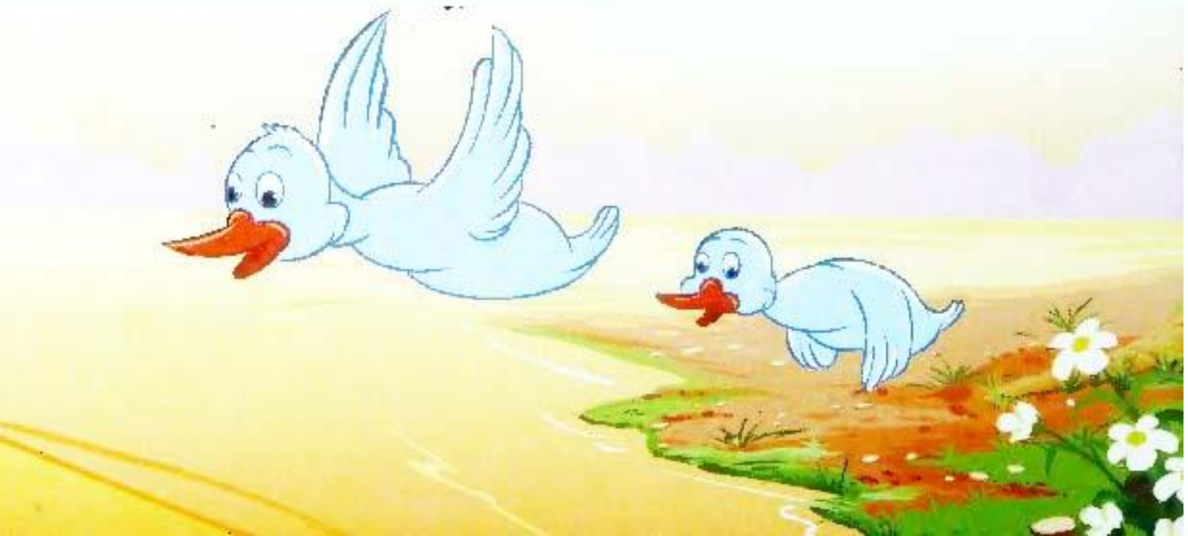
All the geese were very grateful to the wise old goose.

They had realized that they ought to solve problems before the problem grows too big to be solved.

शिकारी वहीं खड़ा रहा और यह देखकर हैरान रह गया कि हंसों ने उसे कैसे मात दी थी.

सभी हंसों ने बुद्धिमान बूढ़े हंस के प्रति अपना आभार व्यक्त किया.

उन्हें इस बात का भी एहसास हुआ समस्या के विकट होने से पहले ही उसका समाधान ढूंढ लेना चाहिए.



अंत